राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

पाठ्यक्रम-

मार्किंग स्कीम

Light Music *Diploma In performing art (L.M.D.P.A.)*

Two year Diploma course

First *year*

PAPER	SUBJECT- VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)	MAX	MIN
1	**Theory** Music -Theory	100	33
2	**PRACTICAL-** Demonstration & **viva**	100	33
	GRAND TOTAL	**200**	**66**

Second *year*

PAPER	SUBJECT- VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)	MAX	MIN
1	**Theory** Music -Theory	100	33
2	**PRACTICAL-** Demonstration & **viva**	100	33
	GRAND TOTAL	**200**	**66**

Light Music *Diploma In performing art (L.M.D.P.A.)*

First *year*

सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक : 100**

1. भारत में प्रचलित प्रमुख संगीत पद्धतियों की संक्षिप्त जानकारी।
2. सुगम संगीत में प्रयोंग किये जाने वाले निम्नलिखित वाद्यों की बनावट (सचित्र) एवं वर्णनः–
   बांसुरी, तबला, ढोलक, डफ, मंजीरा, बैन्जो (बुलबुल तरंग), तानपुरा।
3. परिभाषा एवं वर्णन :–
   संगीत, नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, (पल्टे), आरोह, अवरोह, पकड, थाट, राग, आश्रयराग, आलाप, तान।
4. गीत, भजन, गजल एवं लोकगीत की संक्षिप्त जानकारी, विशेषताएँ एवं तुलनात्मक अध्ययन।
5. ख्याल, ठुमरी, तराना, कव्वाली, भावगीत, अभंग, रविन्द्र संगीत, नजरूल गीत आदि की संक्षिप्त जानकारी।
6. पं. भातखण्डे निर्मित स्वरलिपि–ताललिपि पद्धति की जानकारी।
7. निम्नलिखित तालों का ताललिपि में लेखन :–
   दादरा, रूपक, कहरवा, एकताल, त्रिताल।
8. सीखे हुए गीत, भजन एवं गजलों की रचनाएँ लिखकर उनका भावार्थ स्पष्ट करना।
9. "वृन्दवादन" (कोरस) एवं "वाद्यवृन्द" की संक्षिप्त जानकारी।
10. सुगम संगीत विषयक निबंध का लगभग 300 शब्दों में लेखन।
11. निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त जीवन परिचय :–
    हरिवंशराय बच्चन, गोपालदास, नीरज, मीराबाई, सूरदास, मिर्जागालिब, बहादुरशाह जफर।

Light Music *Diploma In performing art (L.M.D.P.A.)*

First *year*

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

समय : 20 मिनिट पूर्णांक : 100

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों की रचनाओं का गायन :–
   (चार–चार) गीत, भजन, गजलें कुल 12 रचनाएँ – (प्रत्येक रचना पृथक रचनाकार की होना अनिवार्य है।) (प्रत्येक रचना की संगीत रचना मौलिक हो।)
2. राग यमन, बिलावल, खमाज, काफी एवं भैरव रागों के आरोह अवरोह एवं पकड तथा इनमें से किसी एक राग में मध्यलय ख्याल (5 आलाप एवं 5 तानों सहित) का गायन।
3. भारत में प्रचलित किन्हीं दो प्रदेशों के लोकगीतों का गायन। (कुल दो लोकगीत, दोनों पृथक प्रदेशों के होना अनिवार्य है।)
4. राष्ट्रगान (जनगणमन) तथा राष्ट्रगीत (वन्देमातरम) (आकाशवाणी अनुमोदित राग देस पर आधारित रचना) कर सस्वर, लय–तालबद्ध गायन।
5. हारमोनियम बजाते हुए दस अलंकारों का गायन।
6. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन में पढन्त :–
   दादरा, रूपक, कहरवा, रूपक एवं त्रिताल।

प्रायोगिक अंक विभाजन

गीत	15 अंक
भजन	15 अंक
गजल	15 अंक
लोकगीत	15 अंक
मध्यलय	10 अंक
राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत	10 अंक
हारमोनियम बजाकर गायन	10 अंक
हाथ पर ताल प्रदर्शन	10 अंक
	.....
	100 अंक
	.....

Light Music *Diploma In performing art (L.M.D.P.A.)*
Second *year*
सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

1. **प्रथम वर्ष** डिप्लोमा के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

2. सुगम संगीत में प्रयोग किये जाने वाले निम्नलिखित वाद्यों की बनावट (सचित्र) एवं वर्णन :
   हारमोनियम, सितार, वायलिन, सारंगी, स्पेनिष गिटार, नाल, इलेक्ट्रॉनिक वाद्य (की–बोर्ड, ऑक्टोपेड, इलेक्ट्रॉनिक तानपुरा)

3. वाद्य वर्गीकरण की जानकारी (सुषिर, तंतु, ताल वाद्य आदि)

4. परिभाषाएँ एवं वर्णन :–
   मीड, कण, खटका, मुरकी, गमक, वर्ण, लय , ताल, मात्रा, सम, खाली, भरी, ठेका, आवर्तन।

5. निम्नलिखित सांगीतिक विधाओं की संक्षिप्त जानकारी :–
   शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, लोक संगीत एवं चित्रपट संगीत।

6. निम्नलिखित तालों का तालिपि में लेखन ठाह, दुगुन, चौगुन सहित :–
   झपताल, दीपचन्दी, धुमाली, खेमटा, चांचर, भजनी ठेका।

7. संगीत विषयक निबंध का लगभग 400 शब्दों में लेखन।

8. निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय :–
   कबीरदास, तुलसीदास, गुरूनानक, महादेवी वर्मा, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, जयशंकर प्रसाद, मीर–तकी–मीर, फैज अहमद फैज, जिगर मुरादाबादी।

Light Music *Diploma In performing art (L.M.D.P.A.)*

Second *year*

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

समय : 20 मिनिट **पूर्णांक : 100**

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों की रचनाओं का गायन :

   (दो–दो गीत, भजन, गजलें कुल छः, सभी पृथक रचनाकारों की तथा मौलिक संगीत रचनाएँ।)

2. निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं का गायन :

   (दो–दो गीत, भजन, गजलें कुल छः सभी पृथक रचनाकारों की तथा मौलिक संगीत रचनाएँ।)

   तुलसीदास, सूरदास, कबीरदास, गुरूनानक, मीराबाई, सुमित्रानन्द पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, गोपालदास, नीरज, जयषंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, मिर्जा गालिब, बहादुरशाह जफर, फैज अहमद फैज, शकील बदायुनी, जिगर मुरादाबादी, मीरतकी मीर।

3. उपरोक्त रचनाओं में से किसी एक रचना में उपज, बढत आदि सहित गायन।
4. एक स्वागत गीत एवं देशभक्ति गीत का गायन **(संगीत रचना मौलिक होना अनिवार्य है।)**
5. राग पूर्वी, मारवा, आसावरी, तोडी एवं भैरवी के आरोह, अवरोह, पकड तथा इनमें से किसी एक राग के मध्यलय ख्याल का गायन, पॉच आलाप एवं पॉच तानों सहित।
6. भारत में प्रचलित किन्हीं दो लोकगीतों का गायन। **(दोनों पृथक प्रदेशों के हों)**
7. निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन एवं चौगुन सहित प्रदर्षन :–

   दादरा, रूपक, कहरवा, झपताल, एकताल, दीपचन्दी, त्रिताल।

प्रायोगिक अंक विभाजन

गीत	15 अंक
भजन	15 अंक
गजल	15 अंक
लोकगीत	15 अंक
उपज, बढत सहित रचना	10 अंक
मध्यलय ख्याल	10 अंक
ताल प्रदर्शन	10 अंक
देशभक्ति गीत अथवा स्वागत गीत	10 अंक
	.....
	100 अंक.....